राज्यों में शिक्षा की 10+2 प्रणाली

6590. **श्री लक्ष्मी नारायण नायक :** क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि देश भर में शिक्षा प्रणाली में एकरूपता न होने के कारण विद्यार्थियों को बहुत अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है ,

(ख) देश में किन-किन राज्यों में 10+2 प्रणाली लागू कर दी गई है ,

(ग) जिन राज्यों में यह प्रणाली लागू कर दी गई है उनके शिक्षाविदों के विचार क्या हैं और शेष राज्यों में इसे लागू न करने के क्या कारण हैं , और

(घ) शिक्षा के पश्चात् युवकों को आत्मनिर्भर बनाने के विचार से शिक्षा प्रणाली में क्या परिवर्तन किए गए हैं ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) जी, हां ।

(ख) विभिन्न राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा का नया ढांचा लागू करने से सम्बन्धित स्थिति निम्नलिखित है

(I) राज्य/संघ शासित क्षेत्र जहां स्कूली शिक्षा का 10+2 ढांचा है ।

(1) आन्ध्र प्रदेश
(2) असम
(3) बिहार
(4) गुजरात
(5) जम्मू एवं काश्मीर
(6) कर्नाटक
(7) केरल
(8) महाराष्ट्र
(9) मणिपुर
(10) मेघालय**
(11) नागालैण्ड**
(12) उड़ीसा
(13) सिक्किम
(14) तमिलनाडु
(15) त्रिपुरा
(16) उत्तर प्रदेश
(17) पश्चिम बंगाल
(18) अरुणाचल प्रदेश
(19) अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह
(20) चंडीगढ़
(21) दादरा और नगर हवेली
(22) दिल्ली
(23) गोवा, दमन और दीव
(24) लक्षद्वीप
(25) मिजोरम**
(26) पांडिचेरी

**इन राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में 10 वर्षीय स्कूल के बाद दो वर्षीय पूर्व-विश्वविद्यालय है ।

(II) 1979-80 से 10+2 ढांचा लागू करने वाले संभावित राज्य :—

(1) हरियाणा
(2) मध्य प्रदेश
(3) पंजाब

(III) जिन राज्यों ने सिद्धान्त रूप में नई प्रणाली अपनाना स्वीकार कर लिया है, लेकिन अभी अन्तिम तिथि निर्धारित की जानी है :—

(1) हिमाचल प्रदेश
(2) राजस्थान

(ग) नई शिक्षा प्रणाली पर शिक्षा-शास्त्रियो और राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों के विभिन्न मंचो पर पूर्ण रूप से विचार विमर्श किया जा चुका है । भारत के माध्यमिक शिक्षा बोर्डों के सम्मेलन ने पूरे देश मे एक जैसी शिक्षा प्रणाली लागू करने से सम्बन्धित सिफारिशो का समर्थन किया है । राज्यो और संघ शासित क्षेत्रों के शिक्षा मंत्रियो के सम्मेलन ने छठी योजना के अन्त तक सभी राज्यो/संघ शासित क्षेत्रो मे नई प्रणाली अपनाने का सकल्प किया है ।

(घ) उच्चतर माध्यमिक अर्थात् जमा दो स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा शुरू करना नई शिक्षा प्रणाली की एक प्रमुख विशेषता है । यह प्रणाली छात्रो को अधिक रोजगार योग्य बनाने अथवा स्व-रोजगार मे लगाने के लिए तैयार की गई है । इसके अलावा समाज के लिए उपयोगी उत्पादक कार्य माध्यमिक स्तर के छात्रो और उच्चतर माध्यमिक स्तर के शैक्षिक क्षेत्र के छात्रो के लिए एक अनिवार्य विषय है ।

कृषि उत्पादों का मूल्य सूचकांक

6691. **श्री अनन्त राम जायसवाल :** क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि 1967-68 को आधार वर्ष मानकर कृषि उत्पादों के मूल्य सूचकांक और कृषि आदानों के थोक सूचकाक मे कृषि वर्ष 1976–77, 1977–78 और 1978–79 मे हुई वृद्धि के क्या आकड़े है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : वर्ष 1970-71 (अप्रैल—मार्च) को आधार वर्ष मानकर इस समय सरकार विभिन्न जिन्सो के थोक मूल्यो के अखिल भारतीय सूचकाको को सकलित कर रही है । कृषि वर्ष 1976–77, 1977–78 तथा 1978–79 (जुलाई, 1978 फरवरी, 1979) के लिए कृषि जिन्सो तथा विभिन्न कृषि आदानों के थोक मूल्यो के सूचकाको के साथ-साथ आधार वर्ष की तुलना मे उनमे जो वृद्धि हुई, वह संलग्न विवरण में दे दी गई है ।

1967-68 को आधार वर्ष मानते हुए विवरण मे दी गई विभिन्न मदों के लिए तुलनात्मक आधार पर सूचकांक उपलब्ध नही है ।